हिन्दी परियोजना कार्य

प्रस्तुत कर्ता : जशमन गिल
दिनांक : 4/11/2020
कक्षा : दसवीं
प्राप्त कर्ता :श्रीमती रजनी कपूर

विषय : पाठ - कारतूस

पाठ्यपुस्तक : स्पर्श

एनसीईआरटी

लेखक परिचय

लेखक - हबीब तनवीर

जन्म - 1923 (छत्तीसगढ़, रायपुर)

हबीब तनवीर का जन्म छत्तीसगढ़ के रायपुर में हुआ था, जबकि निधन 8 जून,2009 को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुआ। उनकी प्रमुख कृतियों में आगरा बाजार (1954) चरणदास चोर (1975) शामिल है। उन्होंने 1959 में दिल्ली में नया थियेटर कंपनी स्थापित किया था।

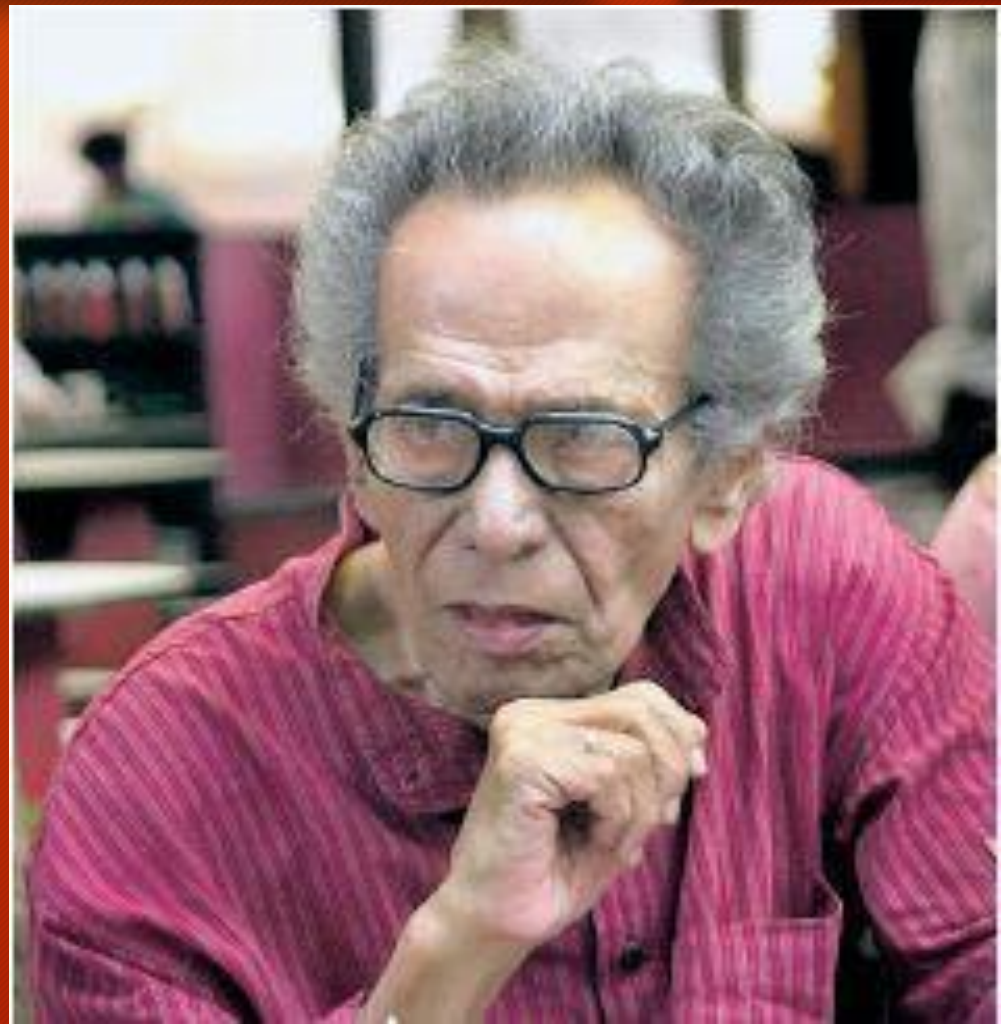

हिंदी

नाटक और एकांकी में अंतर

नाटक	एकांकी
1- नाटक में अनेक अंक होते हैं	1- एकांकी में एक ही अंक होता है
2- नाटक की कथावस्तु विस्तार और संपूर्णता होती है	2- एकांकी में कथा का लघु रूप होता है
3- नाटक में अनेक पात्र होते हैं और उनका विवरण होता है	3- एकांकी में कुछ ही पात्र होते हैं
4- नाटक से दर्शकों, पाठकों के मन पर बहुत से प्रभाव पड़ते हैं	4- एकांकी से मन पर एक ही प्रभाव पड़ता है जो अत्यंत सजीव और गंभीर होता है

कारतूस पाठ का मुख्य पात्र : वज़ीर अली (1780-1817)

पूरा नाम : मिर्ज़ा वज़ीर अली खान

- 'कारतूस' कहानी में वजीर अली को एक बहादुर, साहसी और निडर व्यक्तित्व व कारनामों वाले व्यक्ति के रुप में दर्शाया गया है| वजीर अली अवध के नवाब आसिफ़ उद्दौला का पुत्र था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने उसे शासन से वंचित कर उसके चाचा को उसका राज्य को सौंप दिया था। तब से वह अंग्रेजों का कट्टर विरोधी हो गया था।

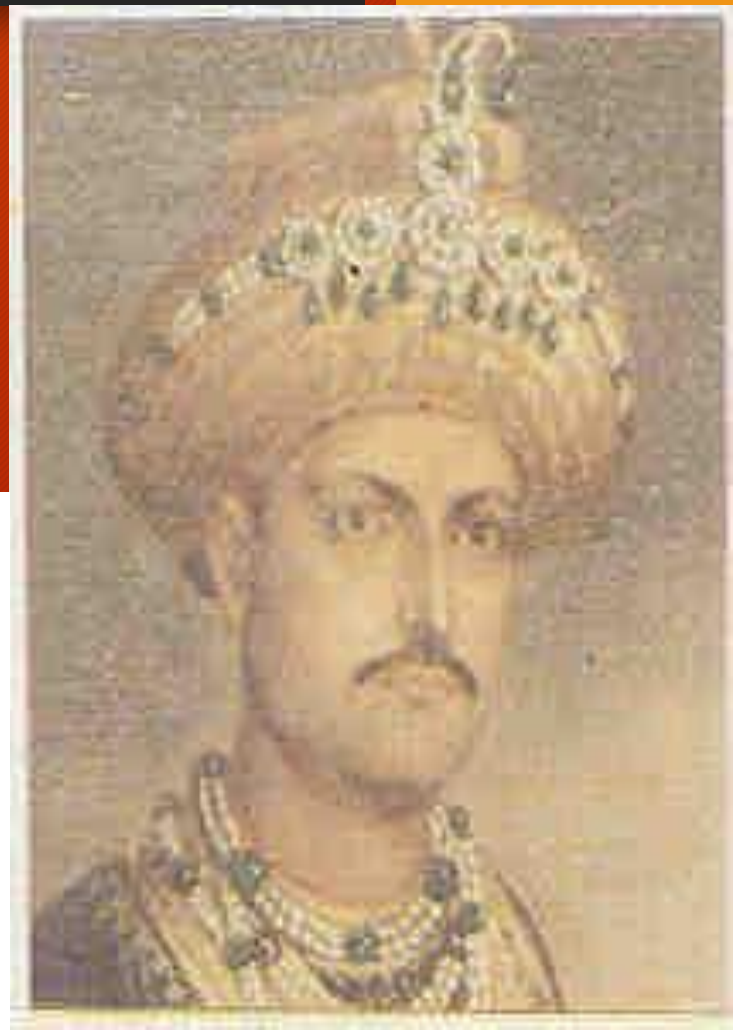

पूर्ववर्ती	शुजाउद्दौला
उत्तरवर्ती	यामीन अद् दौला नज़ेम अल् मुल्क सआदत अली खान द्वितीय बहादुर
राजवंश	अवध

वजीर अली की चारित्रिक विशेषताएं निम्नलिखित है:

- *देशभक्त: वजीर अली एक सच्चा देशभक्त है। वह हिंदुस्तान को गुलाम बनाने वाले अंग्रेजों से नफ़रत करता है।*
- *वीर एवं साहसी: वजीर अली अत्यंत वीर एवं साहसी है। दुश्मन भी उसकी वीरता का लोहा मानते हैं।*
- *अच्छा शासक: वजीर अली एक अच्छा शासक है।*

सआदत अली :

(क) सआदत अली वज़ीर अली का चाचा और नवाब आसिफउदौला का भाई था। सआदत अली अंग्रेज़ों का चमचा था। अंग्रेज़ जानते थे कि यदि अवध को अपने अधिकार में लेना है, तो सआदत अली का तख्त पर बैठना आवश्यक है। वज़ीर अली के रहते अवध को अपने कब्जे में लेना संभव नहीं था।इसलिए 'सआदत अली' अंग्रेज़ों का हिमायती था|

(ख) ओचुमेलॉव की तीन चारित्रिक विशेषताएँ इस प्रकार हैं-

1.अवसरवादी- ओचुमेलॉव अवसरवादी व्यक्ति है। अवसर का लाभ उठाना उसे बहुत अच्छा आता है। जब उसे पता चलता है कि कुत्ता जनरल साहब का है, तो वह तुरंत कुत्ते के पक्ष में बोलने लगता है। इससे पहले वह ख्यूक्रिन के पक्ष में बोल रहा था।

2. चापलूस- ओचुमेलॉव एक चापलूस व्यक्ति है। वह जनरल साहब की चापलूसी करने के लिए उन पर किसी प्रकार की कार्यवाही नहीं करता है। जब तक वह इस सच से अनजान था कि कुत्ता जनरल साहब का नहीं है, तब तक वह कुत्ते के मालिक को सज़ा दिलाने के लिए तैयार था। परन्तु जनरल साहब का कुत्ता होने की बात पता चलने पर जनरल साहब के प्रति वफादर हो जाता है और कुत्ते को सकुशल घर भिजवा देता है।

3. स्वार्थी- ओचुमेलॉव स्वार्थी व्यक्ति है। अपने स्वार्थ के लिए वह किसी का भी फायदा उठा सकता है। अपने पद की गरिमा भी उसे दिखाई नहीं देती है। उसके लिए अपना स्वार्थ महत्वपूर्ण है। लोगों का विश्वास, न्याय जैसी बातें उसके लिए बेकार हो जाती है।

(ग) वज़ीर अली एक नीतिकुशल योद्धा था। अंग्रेज़ी सरकार उसे पकड़ने के लिए हर संभव कोशिश कर रही थी परन्तु उसे पकड़ने में असमर्थ थी। वह जंगलों में इस कदर रहता था कि किसी के हाथ नहीं आया था। उसकी नीति कुशलता का ही प्रमाण है कि कुछ जाँबाज़ सिपाहियों के ही दम पर वह वर्षों तक अंग्रेज़ी सरकार को चकमा देता रहा।

- ***अन्य पात्र :*** कर्नल, लेफ़्टीनेंट, सिपाही, सवार
- ***पाठ का सारांश:***

यह कहानी 'कारतूस' एक व्यक्ति वजीर अली पर आधारित है। इसमे वजीर अली के साहसी कारनामो का वर्णन किया गया है। वजीर अली जो कि अवध के नवाब आसिफ़उद्दौला का पुत्र था। ईस्ट इंडिया कंपनी ने वजीर अली का राज्य उसके चाचा को सौंप दिया और उसे राज्य से वंचित कर दिया था। इसकी वजह वह अंग्रेजों का दुश्मन बन गया। तभी से वह अंग्रेज़ों को अपने देश से बाहर निकलना चाहता था। वजीर अली एक साहसी और निडर व्यक्ति था। उसने अकेले ही अंग्रेज़ों के खेमे में जाकर कारतूस प्राप्त कर लिया था।

वज़ीर अली खान की तरह कुछ और महान व्यक्ति जिन्होनें अंग्रेजों के खिलाफ आवाज उठाई थी, लेकिन इनके बारे में बहुत कम लोग जानते हैं:

- **मातंगिनी हाजरा-** एक ऐसी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थी जिन्होंने भारत छोडो आंदोलन और असहयोग आंदोलन के दौरान भाग लिया था। एक जुलूस के दौरान वे भारतीय झंडे को लेकर आगे बढ़ रही थीं और पुलिसकर्मियों ने उनपर गोली चला दी। उनके शरीर में तीन गोलियां लगीं फिर भी उन्होंने झंडा नहीं छोड़ा और वे 'वंदे मातरम्' ने नारे लगाती रहीं।
- **2. बेगम हजरत महल-**अवध के नवाब की पत्नी बेगम हजरत महल 1857 के विद्रोह की सक्रिय नेता थीं। जब उनके पति को देश से बाहर निकाल दिया तो उन्होंने अवध का शासन संभाल लिया और विद्रोह के दौरान उन्होंने लखनऊ को अंग्रेजी नियंत्रण से छीन भी लिया था। लेकिन विद्रोह के कुचले जाने के बाद बेगम हजरत महल को भारत छोड़कर नेपाल में रहना पड़ा, जहां उनका देहांत हुआ था।
- **3. सेनापति बापट-** सत्याग्रह के एक नेता होने के कारण उन्हें सेनापति कहा जाता था। स्वतंत्रता के बाद पहली बार उन्हें पुणे में भारतीय ध्वज को फहराने का सम्मान मिला था। तोड़फोड़ और सरकार के खिलाफ भाषण करने के कारण उन्होंने खुद की गिरफ्तारी दी थी। वे एक सत्याग्रही थे जोकि हिंसा का मार्ग नहीं चुन सकता
- **4. अरुणा आसफ अली-** बहुत ही कम लोगों ने उनके बारे में यह सुना होगा कि जब वे 33 वर्ष की थीं तब उन्होंने सन् 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान गोवालिया टैंक मैदान में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का ध्वज फहराया था।
-

5. पोटी श्रीरामुलू- वे महात्मा गांधी के कट्टर समर्थक और भक्त थे। जब गांधीजी के देश और मानवीय उद्देश्यों के प्रति उनकी निष्ठा देखी तो कहा था कि ' अगर मेरे पास श्रीरामुलू जैसे 11 और समर्थक आ जाएं तो मैं एक वर्ष में स्वतंत्रता हासिल कर लूंगा।'

6. भीकाजी कामा- देश के कई शहरों में उनके नाम पर बहुत सारी सड़कें और भवन हैं लेकिन बहुत कम लोगों को पता होगा कि वे कौन थीं और उन्होंने क्या काम किया? कामा ने न केवल भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अपना योगदान किया वरन वे भारत जैसे देश में लैंगिक समानता की पक्षधर एक नेता थीं। उन्होंने अपनी सम्पत्ति का एक बड़ा भाग लड़कियों के लिए अनाथालय बनाने पर खर्च किया था। वर्ष 1907 में उन्होंने इंटरनेशनल सोशलिस्ट कॉन्फ्रेंस, स्टुटगार्ट (जर्मनी) में भारत का झंडा फहराया था।

7. तारा रानी श्रीवास्तव- बिहार के सीवान नगर के पुलिस थाने पर उन्होंने अपने पति के साथ एक जुलूस का नेतृत्व किया था। उन्हें गोली मार दी गई थी लेकिन वे अपने घावों पर पट्टी बांधकर आगे चलती रहीं। जब वे लौटीं तो उनकी मौत हो गई थी। लेकिन मरने से पहले वे देश के झंडे को लगातार पकड़े रहीं।

8. कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी- उन्हें कुलपति के नाम से भी जाना जाता था क्योंकि उन्होंने भारतीय विद्या भवन की स्थापना की थी। वे भारत के स्वतंत्रता आंदोलन और विशेष रूप से भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान बहुत सक्रिय रहे थे। स्वतंत्र भारत के प्रति उनके प्रेम और त्याग के कारण वे अनेक बार जेल गए।

9. पीर अली खान- कमलादेवी देश की ऐसी पहली महिला थीं जिन्होंने विधानसभा का चुनाव लड़ा था। साथ ही, वे पहली ऐसी महिला थीं जिन्हें अंग्रेज शासन ने गिरफ्तार किया था। उन्होंने एक सामाजिक सुधारक के तौर पर बड़ी भूमिका निभाई और उन्होंने भारतीय महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के लिए हस्तशिल्प, थिएटर और हैंडलूम्स (हथकरघे) को बहुत बढ़ावा दिया।

10. कमलादेवी चट्टोपाध्याय - वे भारत के शुरुआती विद्रोहियों में से एक थे और उन्होंने 1857 के स्वतंत्रता आंदोलन में हिस्सा लिया था। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने के कारण उन्हें 14 अन्य लोगों के साथ फांसी की सजा दी गई थी।

देश के प्रति हमारा कर्तव्य:

- ‘देश हमें देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखें।’ यह पंक्ति हमें उनके कर्तव्यों की याद दिला रही है जो किसी देश के प्रति वहाँ के निवासियों के होने चाहिए। हम मातृऋण, पितृऋण की बात तो करते हैं पर देश के प्रति अपने कर्तव्यों को भूल जाते हैं, जो इन ऋणों से भी अधिक महत्त्वपूर्ण है।
- कोई भी व्यक्ति जिस देश में जन्म लेता है, उसका अन्न, जल ग्रहण कर पोषित होता है, जिसकी रज में लोट-लोटकर पुष्ट बनता है, उस देश की मातृभूमि के प्रति माता के समान सम्मान भाव रखना चाहिए। उस देश के राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान करना चाहिए। व्यक्ति में देश-प्रेम, देशभक्ति की उत्कट भावना होनी चाहिए और मातृभूमि पर आँख उठाने वालों को मुँह तोड़ जवाब देना । चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर अपना सर्वस्व अर्पित कर देना चाहिए।

किसी देश के प्रति वहाँ के नागरिकों को कर्तव्य बनता है कि वे उसकी प्रगति में भरपूर योगदान दें। राष्ट्र को स्वावलंबी बनाने में मदद करें। देशवासी ऐसा तभी कर सकते हैं जब वे अपने-अपने कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करें। देश को आर्थिक रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए वहाँ के नागरिकों को ईमानदारीपूर्वक करों का भुगतान करना चाहिए।

देश के नागरिक कहीं भी हों किसी भी हाल में हों, उन्हें राष्ट्र के सम्मान का ध्यान अवश्य रखना चाहिए। हमें कोई ऐसा कार्य नहीं करना चाहिए, जिससे राष्ट्र के सम्मान पर आँच आए। हमें राष्ट्र-सम्मान को आहत करने वाली बातें भी नहीं करनी चाहिए। हमें उस जापानी नवयुवक, जिसने स्वामी रामकृष्ण को फलों का टोकरा देते हुए यह कहा था कि 'आप अपने देश जाकर यह न कहें कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते हैं की तरह कार्य-व्यवहार कर राष्ट्र का मान-सम्मान बढ़ाने वाला कार्य करना चाहिए।

एक नागरिक के रूप में हमारा यह कर्तव्य बनता है कि हम देशद्रोह जैसे किसी काम में शामिल न हों। हम आतंकवादियों या देशद्रोहियों के बहकावे में न आएँ और राष्ट्र विरोधी किसी कार्य को अंजाम न दें। देखा गया है कि कुछ लोग अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए या थोड़े से धन के लोभ में देश की गुप्त सूचनाएँ, आतंकवादियों या विदेशियों को देकर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करते हैं और देश को खतरा पैदा करते हैं।

हमें देश में व्याप्त बुराइयों की रोकथाम के लिए भी यथासंभव सहयोग देना चाहिए। इसके आलावा प्रदूषण नियंत्रण, स्वच्छता, वृक्षारोपण, सर्वशिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रमों में समय-समय पर भाग लेकर अपना कर्तव्य निभाना चाहिए, ताकि देश सफलता एवं उन्नति की ओर बढ़ता रहे।

जो भरा नहीं है भावों से...
बहती जिसमें रसधार नहीं
वह हृदय नहीं है पत्थर है...
जिसमें स्वदेश का प्यार नहीं

- स्वतंत्रता आंदोलन के समय भारत के लोगों को बहुत सी सामाजिक समस्याओं का सामना करना पड़ा था |
- स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान हमारे पूर्वजों ने जो गलतियाँ की थीं, हमें उन से नसीहत लेकर आगे उन्हें न दोहराने की ठान लेनी चाहिए।
- सबसे ज़रूरी चीज़: हमें देश की एकता को कभी बिखरने नहीं देना है क्योंकि एकता ही देश की शक्ति होती है |

अकेले में अक्सर हम अपनी परछाइयों से डर जाते हैं,
साथ मिले अगर किसी का तो हम दुनिया जीत जाते हैं.

SOCIAL SCIENCE

सामाजिक विज्ञान

बक्सर

- **बक्सर** युद्ध अक्टूबर में बक्सर नगर के ईस्ट के हैक्टर मुगल तथा सेनाओं के मीर अवध नबाब शुजाउद्दौला तथा बादशाह शाह की सेना थी। और पश्चिम बंगाल बिहार झारखंड उड़ीसा और बांग्लादेश का अंग्रेज

तिथि	23 अक्टूबर 1764
स्थान	बक्सर के पास
परिणाम	ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी की जीत

योद्धा	
अवध के नवाब बंगाल के नवाब मुग़ल साम्राज्य	ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कम्पनी
सेनानायक	
शुजाउद्दौला मीर कासिम मिर्ज़ा नजफ खां शाह आलम द्वितीय	नोवर का हेक्टर मुनरो
शक्ति/क्षमता	
40,000 140 तोपें	7,072 30 तोपें
मृत्यु एवं हानि	
10,000 मरे गए या घायल हुए 6,000 बंधी बने गए	1,847 मरे गए या घायल हुए

प्लासी का

- प्लासी का ... जून ... को मुर्शिदाबाद के ... मील ... नदिया ... प्लासी नामक ... ओर ब्रिटिश ... की ... दूसरी ... सेना ... कंपनी ... रॉबर्ट ... के नेतृत्व ... सिराजुद्दौला को ... थी ... मान ... नवाब ... उसके ... तथा राज्य ... ने ... परी ... युद्ध ... मीर ... के

तिथि	23 जून 1754
स्थान	पलासी, पश्चिम बंगाल, भारत
परिणाम	ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी की निर्णायक विजय
क्षेत्रीय बदलाव	बंगाल पर ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी का कब्ज़ा

योद्धा	
ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी	सिराज उद्दौला (बंगाल के नवाब), फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी
सेनानायक	
कर्नल रॉबर्ट क्लाइव (बाद में बंगाल के राज्यपाल एवं पलासी के बैरन)	मीर जाफ़र (नवाब का कमांडर), सिनफ्रे (परिषद का प्रांसीसी सचिव)
शक्ति/क्षमता	
950 यूरोपियाई सैनिक, 2,100 भारतीय सिपाही,[1] 100 आर्टिलरी,[1] 9 तोपें (आठ six-pounders and a howitzer)	50,000 soldiers initially (but only 5,000 of them participated in battle),[a] 53 cannons
मृत्यु एवं हानि	
22 killed (7 Europeans, 16 natives), 53 wounded (13 Europeans and 36 natives)[*तथ्य वांछित*]	500 मृत एवं हताहत

गणित

- 1600 ईस्ट इंडिया कंपनी (EIC) का गठन।
  - 15 साल बाद
- 1615 कंपनी ने बॉम्बे में अपना पहला क्षेत्र प्राप्त किया।
  - 133 साल बाद
- 1748 भारत में एंग्लो-फ्रेंच युद्ध।
  - 9 साल बाद
- 1757 प्लासी का युद्ध।
  - 7 साल बाद
- 1764 (22 अक्टूबर) **बक्सर** का **युद्ध**
  - 28 साल बाद
- 1792 ई.आई.सी (EIC) ने मैसूर के मराठों और टीपू सुल्तान को हराया।
  - 14 साल बाद

- 1806 (10 जुलाई) : वेल्लोर में विद्रोह
  51 साल बाद
- 1857 बैरकपुर में भारतीय सेना का विद्रोह। विद्रोह स्वतंत्रता का युद्ध बन जाता है (प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम)।
  - 1 साल बाद
- 1858

1. बहादुर शाह ज़फ़र को अंतिम मोगुल सम्राट के रूप में घोषित किया जाता है।
2. म्यूटिनी को कुचल दिया जाता है और अंतिम मोगुल सम्राट को हटा दिया जाता है।
3. विद्रोह को बुरे तरीके से कुचल दिया जाता है।
4. भारत में EIC के शासन का अंत।
5. भारत में मोगुल शासन का अंत।
6. ब्रिटिश क्राउन ने भारत पर राज करना शुरू किया ।

- 11 साल बाद
- 1869 महात्मा गांधी का जन्म ,पोरबंदर, गुजरात में (2 अक्टूबर)
  - 8 साल बाद
- 1877 महारानी विक्टोरिया भारत की महारानी बनीं।
  - 8 साल बाद
- 1885 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन।
  - 12 साल बाद

- 1897 रानी विक्टोरिया की डायमंड जुबली।
  - 17 साल बाद
- 1914 यूरोप में महान युद्ध (World War I) छिड़ गया।
  - 5 साल बाद
- 1919 जलियाँवाला बाग नरसंहार। संसद रौलट अधिनियमों को पारित करती है।
  - 20 साल बाद
- 1939 द्वितीय विश्व युद्ध जर्मनी के पोलैंड पर आक्रमण के समाप्त हो गया।
  - 8 साल बाद
- 1947 भारत और पाकिस्तान स्व-शासन बने।

ART

&

Science

कला और विज्ञान

वज़ीर अली खान की तस्वीर

जेल में बंद वज़ीर अली खान की तस्वीर :

वज़ीर अली खान के पिता: नवाब आसफ़ुद्दौला

वज़ीर अली के चाचा : सआदत अली खान

टीपू सुल्तान
अहमद शाह दुर्रानी:
(अफगानी

प्लासी के युद्ध की तस्वीरें:

बक्सर के युद्ध की तस्वीरें:

पुराने समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युद्ध क्षेत्र में प्रयोग

- तोपों और गोलियों का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता था।
- घुड़सवार सेना का प्रभावी उपयोग किया जाता था , वह घेरा डालने की तकनीक में बहुत माहिर थे।
- कैमल गन "(शुतारनाल) और "'स्विव्ल्गन" |
- ग्रेनेडियर्स(हथगोला फेंकने वाला सैनिक) और रॉकेट भी सेना का हिस्सा थे।
- नई तकनीकों के कारण किलों की सुरक्षा में सुधार हुआ।

अंग्रेज़ी

पाठ में आए कुछ अंग्रेज़ी शब्द और उनके अर्थ:

- (1) कर्नल (Colonel)
- एक सैन्य उच्चाधिकारी
- (2) लेफ्टिनेंट (lieutenant)
- सेना, नौसेना, मरीन, या वायु सेना में निम्न रैंक के अधिकारी
- (3) कंपनी (Company)
- व्यापारियों या व्यवसायियों का वह समूह या दल या संस्था जो एक साथ मिलकर कोई व्यापार या व्यवसाय करता हो
- (4)गवर्नर जनरल (Governer General)
- **गवर्नर-जनरल** अर्थात राजप्रतिनिधि एवं महाराज्यपाल) भारत में ब्रिटिश राज का अध्यक्ष और भारतीय स्वतंत्रता उपरांत भारत में, ब्रिटिश सम्प्रभु का प्रतिनिधि **होता** था
- (5)स्कीम (Scheme)
- योजना

ग्रंथ सूची(BIBLIOGRAPHY):

- https://en.m.wikipedia.org/wiki/Main_Page

इस परियोजना कार्य को सफलतापूर्वक समाप्त करने में मेरी मदद करने के लिए हिंदी विषय की अध्यापिका, श्रीमती रजनी कपूर को मैं धन्यवाद देना चाहती हूँ।

धन्यवाद